प्रेमचंद

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» प्रेमचंद का जीवन परिचय और साहित्यिक यात्रा

प्रश्न 1 (आसान). प्रेमचंद का जन्म किस गाँव में हुआ था?
उत्तर – लमही

प्रश्न 2 (आसान). उन्होंने सरकारी नौकरी किस आंदोलन के दौरान छोड़ी थी?
उत्तर – असहयोग आंदोलन

प्रश्न 3 (मध्यम). प्रेमचंद जी साहित्य को 'स्वांतः सुखाय' क्यों नहीं मानते थे?
उत्तर – वे साहित्य को सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम मानते थे, सिर्फ अपने मन की खुशी के लिए नहीं लिखते थे।

प्रश्न 4 (कठिन). प्रेमचंद जी के लेखन की किन्हीं तीन प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर – उन्होंने किसानों, दलितों, नारियों की वेदना का मार्मिक चित्रण किया; वे सामाजिक परिवर्तन के लिए लिखते थे; उनकी भाषा सजीव, मुहावरेदार और बोलचाल के निकट थी।

» प्रेमचंद की साहित्यिक विशेषताएँ और प्रमुख कृतियाँ

प्रश्न 5 (आसान). प्रेमचंद का साहित्य मनोरंजन के अलावा किस काम आता था?
उत्तर – समाज में परिवर्तन लाने के।

प्रश्न 6 (आसान). प्रेमचंद की भाषा की कोई एक विशेषता बताइए।
उत्तर – सरल, सजीव और मुहावरेदार।

प्रश्न 7 (मध्यम). प्रेमचंद के किन्हीं तीन उपन्यासों के नाम लिखिए।
उत्तर – गोदान, गबन, निर्मला।

प्रश्न 8 (कठिन). प्रेमचंद को 'यथार्थवादी' लेखक क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि वे समाज की वास्तविक स्थिति, किसानों और दलितों के संघर्षों का सच्चा और मार्मिक चित्रण करते थे, बिना किसी बनावट के।

» ईदगाह कहानी का परिचय और केन्द्रीय विचार

प्रश्न 9 (आसान). प्रेमचंद की 'ईदगाह' कहानी में किस त्योहार का चित्रण है?
उत्तर – ईद का

प्रश्न 10 (आसान). ईदगाह कहानी का मुख्य पात्र कौन है?
उत्तर – हामिद

प्रश्न 11 (मध्यम). हामिद ने मेले से अपने लिए खिलौने क्यों नहीं खरीदे?
उत्तर – क्योंकि वह अपने पैसों से अपनी दादी के लिए एक चिमटा खरीदना चाहता था ताकि उनके हाथ रोटी बनाते समय न जलें।

प्रश्न 12 (कठिन). 'अभाव उम्र से पहले बच्चों में वैफसे बड़ांे जैसी समझदारी पैदा कर देता है' - इस पंक्ति का क्या अर्थ है? 'ईदगाह' कहानी के संदर्भ में समझाएं।
उत्तर – इसका अर्थ है कि जब बच्चों को जीवन में सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ता है, तो वे अपनी उम्र से पहले ही बड़ों जैसी समझदारी और ज़िम्मेदारी सीख लेते हैं। ईदगाह में हामिद को खिलौने, मिठाइयों पर संयम रखकर दादी के लिए चिमटा खरीदना इसी बात का प्रमाण है।

» ईद का प्रभात और गाँव का उत्साह

प्रश्न 13 (आसान). ईद का प्रभात कैसा बताया गया है?
उत्तर – ईद का प्रभात 'मनोहर' और 'सुहावना' बताया गया है।

प्रश्न 14 (आसान). बच्चे सबसे ज़्यादा क्यों खुश थे?
उत्तर – बच्चे ईदगाह जाने की खुशी में सबसे ज़्यादा खुश थे।

प्रश्न 15 (मध्यम). गाँव में ईद के दिन क्या-क्या तैयारियाँ हो रही थीं? कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर – गाँव में कोई कुर्ते में बटन लगा रहा था और कोई अपने कड़े जूतों में तेल डलवाने के लिए तेली के घर भागा जा रहा था। सब जल्दी-जल्दी बैलों को भी सानी-पानी दे रहे थे।

प्रश्न 16 (कठिन). लेखक ने बच्चों के उत्साह को दर्शाने के लिए किन कल्पनाओं का प्रयोग किया है? विस्तार से समझाइए।
उत्तर – लेखक ने बच्चों के उत्साह को दर्शाने के लिए बताया है कि उन्हें लगता है जैसे 'उनकी अपनी जेबों में तो कुबेर का धन भरा हुआ है', यानी उनके पास अनगिनत पैसे हैं। वे इन पैसों से 'अनगिनती चीजें' जैसे खिलौने, मिठाइयाँ, बिगुल और गेंद खरीदने के सपने देख रहे हैं। यह कल्पना बच्चों के असीम उल्लास और मासूमियत को दर्शाती है।

» हामिद और अन्य बच्चों का ईद के प्रति दृष्टिकोण

प्रश्न 17 (आसान). बच्चों के लिए ईद का मुख्य अर्थ क्या था?
उत्तर – बच्चों के लिए ईद का मुख्य अर्थ केवल खुशी और मेले में घूमने-फिरने का था।

प्रश्न 18 (आसान). महमूद और मोहसिन के पास कितने पैसे थे?
उत्तर – महमूद के पास बारह पैसे और मोहसिन के पास पंद्रह पैसे थे।

प्रश्न 19 (मध्यम). बच्चों को अपनी जेबों में 'कुबेर का धन' क्यों महसूस हो रहा था?
उत्तर – बच्चों को अपनी जेबों में 'कुबेर का धन' इसलिए महसूस हो रहा था क्योंकि उनकी छोटी उम्र में वो थोड़े से पैसे भी बहुत मानते थे और उनसे बड़े-बड़े सपने देख रहे थे कि वे उनसे मेले में 'अनगिनती चीजें' खरीदेंगे।

प्रश्न 20 (कठिन). गरीब होते हुए भी हामिद अन्य बच्चों से ज़्यादा खुश क्यों था? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – हामिद गरीब होते हुए भी अन्य बच्चों से ज़्यादा खुश था क्योंकि उसके मन में 'आशा' का प्रकाश था। उसे विश्वास था कि उसके अब्बाजान और अम्मीजान उसके लिए बहुत सी अच्छी चीजें लेकर आएँगे। बच्चों की कल्पनाएँ राई का पर्वत बना देती हैं, और हामिद की आशावादी सोच ने उसे अपनी गरीबी की चिंता से दूर, आनंदित रखा।

» हामिद की दादी अमीना की चिंताएँ

प्रश्न 21 (आसान). ईद के दिन अमीना क्यों रो रही थी?
उत्तर – ईद के दिन अमीना इसलिए रो रही थी क्योंकि उसके घर में खाने को 'दाना नहीं' था।

प्रश्न 22 (आसान). हामिद के कितने पैसे उसकी जेब में थे?
उत्तर – हामिद की जेब में 'तीन पैसे' थे।

प्रश्न 23 (मध्यम). अमीना हामिद को मेले अकेले क्यों नहीं भेजना चाहती थी?
उत्तर – अमीना हामिद को मेले अकेले नहीं भेजना चाहती थी क्योंकि उसे डर था कि वह 'भीड़-भाड़ में बच्चा कहीं खो जाए' और 'तीन कोस' पैदल चलने से उसके 'पैर में छाले पड़ जाएँगे' क्योंकि उसके पास 'जूते भी तो नहीं हैं'।

प्रश्न 24 (कठिन). अमीना के लिए 'निगोड़ी ईद' कहने का क्या अर्थ है? उसकी मनःस्थिति का वर्णन कीजिए।
उत्तर – अमीना के लिए 'निगोड़ी ईद' कहने का अर्थ है कि वह ईद के त्योहार से ही नाराज़ और हताश है। उसकी मनःस्थिति 'अंधकार और निराशा' से भरी है क्योंकि जिस दिन सब खुशियाँ मना रहे हैं, उस दिन उसके पास न खाने को दाना है, न बेटे का सहारा है, और न ही हामिद को मेले भेजने की हिम्मत है, क्योंकि उसकी गरीबी उसे हर तरह से जकड़े हुए है।

» गाँव से शहर तक का सफर और बच्चों की जिज्ञासा

प्रश्न 25 (आसान). बच्चे शहर जाते हुए सबसे पहले किन इमारतों का ज़िक्र करते हैं?
उत्तर – अदालत, कालेज और क्लब-घर।

प्रश्न 26 (आसान). बच्चों को कॉलेज में पढ़ने वाले लड़के कैसे लगे?
उत्तर – उन्हें लगा कि ये सब 'बड़े-बड़े आदमी' हैं जिनकी 'बड़ी-बड़ी मूँछें हैं' और वे अभी तक पढ़ रहे हैं।

प्रश्न 27 (मध्यम). क्लब-घर के बारे में बच्चों की क्या कल्पनाएं थीं? उन्हें सुनकर क्यों हैरानी हुई?
उत्तर – बच्चों को लगा कि क्लब-घर में 'जादू होता है' और 'मुर्दे की खोपड़ियाँ दौड़ती हैं'। उन्हें यह सुनकर हैरानी हुई क्योंकि उन्होंने कभी ऐसी जगह देखी नहीं थी और ये बातें उनके लिए बिल्कुल नई और रोमांचक थीं।

प्रश्न 28 (कठिन). कहानी में गाँव के बच्चों और शहर के अनुभवों के बीच क्या अंतर दिखाया गया है? इस सफर से उनकी सोच पर क्या असर पड़ा होगा?
उत्तर – गाँव के बच्चे सादगी भरे जीवन में पले-बढ़े थे, जहाँ ऐसी बड़ी इमारतें या आधुनिक खेल नहीं होते थे। शहर के 'अमीरों के बगीचे', 'बड़ी-बड़ी इमारतें' जैसे अदालत, कॉलेज, क्लब-घर और हलवाइयों की 'सजी हुई' दुकानें उनके लिए बिल्कुल 'अनोखी' थीं। इस सफर से उनकी कल्पनाओं को पंख लगे और उन्हें शहर की चकाचौंध से भरे जीवन की झलक मिली, जिसने उनके मन में कई सवाल और उत्सुकता जगाई। यह उनके ग्रामीण सोच और शहरी जीवन के बीच का अंतर दिखाता है।

» ईदगाह में नमाज़ और भ्रातृत्व का दृश्य

प्रश्न 29 (आसान). ईदगाह में नमाज़ के समय कौन-कौन से लोग एक साथ खड़े होते हैं?
उत्तर – सभी लोग, चाहे वे अमीर हों या गरीब, बड़े हों या छोटे, एक साथ खड़े होते हैं।

प्रश्न 30 (आसान). इस्लाम में 'समानता' से क्या मतलब है?
उत्तर – इस्लाम में 'समानता' का मतलब है कि अल्लाह की नज़र में सब इंसान बराबर हैं, कोई ऊँचा-नीचा नहीं।

प्रश्न 31 (मध्यम). ईदगाह का नमाज़ का दृश्य 'भ्रातृत्व' की भावना को कैसे मजबूत करता है?
उत्तर – जब लाखों लोग एक साथ बिना किसी भेदभाव के नमाज़ अदा करते हैं और फिर गले मिलते हैं, तो यह दिखाता है कि वे सब एक बड़े परिवार का हिस्सा हैं, जिससे भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

प्रश्न 32 (कठिन). अगर नमाज़ के दृश्य में 'धन और पद' देखा जाता, तो ईदगाह का अनुभव कैसा होता और क्यों?
उत्तर – अगर 'धन और पद' देखा जाता, तो ईदगाह का अनुभव इतना 'अपूर्व' और 'सामूहिक' नहीं होता। लोग भेदभाव महसूस करते, जिससे 'भ्रातृत्व' और 'समानता' की भावना टूट जाती, क्योंकि यह एकता और एकरूपता का प्रतीक नहीं रहता।

» मेले में बच्चों का आकर्षण: झूले, खिलौने और मिठाइयाँ

प्रश्न 33 (आसान). मेले में बच्चे सबसे पहले किस ओर भागते हैं?
उत्तर – मिठाई और खिलौने की दुकानों की तरफ।

प्रश्न 34 (आसान). हामिद के पास कुल कितने पैसे थे?
उत्तर – तीन पैसे।

प्रश्न 35 (मध्यम). हामिद ने खिलौनों को लेकर क्या टिप्पणी की?
उत्तर – उसने कहा कि खिलौने 'मिट्टी ही वेफ तो हैं, गिरे तो चकनाचूर हो जाएँ' और 'ज़रा पानी पड़े तो सारा रंग धुल जाए'।

प्रश्न 36 (कठिन). मोहसिन ने हामिद को रेवड़ी देकर क्या मज़ाक किया और हामिद की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी?
उत्तर – मोहसिन ने हामिद को रेवड़ी देने का लालच दिया और जैसे ही हामिद ने हाथ फैलाया, मोहसिन ने रेवड़ी अपने मुँह में रख ली। हामिद 'खिसिया जाता है'–उसे गुस्सा आता है और वह शर्मिंदा महसूस करता है।

» हामिद का चिमटा खरीदना और बच्चों की प्रतिक्रिया

प्रश्न 37 (आसान). हामिद ने मेले में किसके लिए चिमटा खरीदा?
उत्तर – अपनी दादी के लिए।

प्रश्न 38 (आसान). चिमटा खरीदने पर हामिद के दोस्तों ने क्या प्रतिक्रिया दी?
उत्तर – शुरू में उन्होंने हामिद का मज़ाक उड़ाया।

प्रश्न 39 (मध्यम). हामिद ने खिलौनों को क्यों 'व्यर्थ' कहा?
उत्तर – उसने खिलौनों को 'व्यर्थ' इसलिए कहा क्योंकि वे थोड़ी देर की खुशी देते हैं और फिर टूट-फूटकर बेकार हो जाते हैं, जबकि चिमटा जैसी उपयोगी चीज़ घर में हमेशा काम आती है।

प्रश्न 40 (कठिन). पाठ में 'चिमटा रुस्तमे-¯हद है' कहने के पीछे हामिद का क्या तर्क था?
उत्तर – हामिद ने अपने चिमटे को 'रुस्तमे-¯हद' कहा क्योंकि उसके अनुसार चिमटा मिट्टी के खिलौनों की तरह कमजोर नहीं है; यह आग, पानी, आँधी-तूफान में भी डटा रहेगा और हर मुश्किल का सामना कर सकता है, जबकि दोस्तों के खिलौने ज़रा-से पानी से खराब हो जाते हैं। उसका तर्क था कि यह सबसे बहादुर और ताकतवर है।

» हामिद के चिमटे की उपयोगिता और बच्चों का तर्क-वितर्क

प्रश्न 41 (आसान). हामिद ने चिमटा खरीदने के बाद उसे क्या कहकर पुकारा?
उत्तर – उसने अपने चिमटे को 'बहादुर शेर' और 'रुस्तम-ए-हिंद' कहा।

प्रश्न 42 (आसान). हामिद चिमटे से कौन-कौन से काम लेने की बात करता है?
उत्तर – वह उसे बंदूक, फ़कीरों का चिमटा और मजीरा बनाने की बात करता है।

प्रश्न 43 (मध्यम). सम्मी ने हामिद को क्या देकर चिमटा बदलने को कहा? हामिद ने क्या जवाब दिया?
उत्तर – सम्मी ने अपनी खँजरी देकर चिमटा बदलने को कहा। हामिद ने कहा कि उसका चिमटा खँजरी का पेट फाड़ सकता है और खँजरी तो पानी लगने से ही ख़राब हो जाती है, जबकि चिमटा हर मौसम में टिका रहेगा।

प्रश्न 44 (कठिन). इस प्रसंग में हामिद के तर्कों में 'न्याय का बल' और 'नीति की शक्ति' कैसे दिखती है? 'एक ओर मि'ी है, दूसरी ओर लोहा' का क्या अर्थ है?
उत्तर – हामिद के तर्कों में 'न्याय का बल' और 'नीति की शक्ति' दिखती है क्योंकि वह केवल दिखावे पर नहीं, बल्कि उपयोगिता, मज़बूती और व्यावहारिकता पर जोर देता है। उसके तर्क सच्चे हैं। 'एक ओर मि'ी है, दूसरी ओर लोहा' का अर्थ है कि एक तरफ़ बच्चों के मिट्टी के कमज़ोर खिलौने हैं जो जल्दी टूट जाते हैं, और दूसरी तरफ़ हामिद का मज़बूत लोहे का चिमटा है जो टिकाऊ और उपयोगी है। यह भौतिक तुलना से ज़्यादा मूल्यों की तुलना है।

» खिलौनों का अंत और हामिद के चिमटे की विजय

प्रश्न 45 (आसान). मोहसिन का भिश्ती कैसे टूट गया?
उत्तर – मोहसिन की छोटी बहन की खुशी में उछलने से वह हाथ से छूटकर गिर गया और टूट गया।

प्रश्न 46 (आसान). हामिद ने चिमटा क्यों खरीदा था?
उत्तर – हामिद ने चिमटा अपनी दादी अमीना के लिए खरीदा था, ताकि उनकी उँगलियाँ रोटी बनाते समय तवे से न जलें।

प्रश्न 47 (मध्यम). नूरे के वकील और महमूद के सिपाही के टूटने की घटनाएँ कहानी में क्या दर्शाती हैं?
उत्तर – ये घटनाएँ दर्शाती हैं कि मिट्टी के खिलौने कितने नाज़ुक और 'क्षणभंगुर' होते हैं, और दिखावे पर आधारित चीज़ों का 'कोई वास्तविक मूल्य' नहीं होता।

प्रश्न 48 (कठिन). अमीना का गुस्सा तुरंत स्नेह में क्यों बदल गया, जब उसने हामिद के हाथ में चिमटा देखा?
उत्तर – अमीना का गुस्सा इसलिए स्नेह में बदल गया क्योंकि उसने हामिद के चिमटा खरीदने के पीछे के 'त्याग', 'समझदारी' और 'प्रेम' को समझा। हामिद ने अपनी इच्छाओं को दबाकर दादी की तकलीफ दूर करने के लिए चिमटा खरीदा था, जिससे अमीना का हृदय 'गद्गद' हो गया।

» अमीना का क्रोध, स्नेह और हामिद की त्याग भावना

प्रश्न 49 (आसान). हामिद जब चिमटा लेकर घर पहुंचा तो अमीना की पहली प्रतिक्रिया क्या थी?
उत्तर – उसे गुस्सा आया और उसने हामिद को बेसमझ कहा।

प्रश्न 50 (आसान). हामिद ने चिमटा क्यों खरीदा था?
उत्तर – क्योंकि उसकी दादी की उंगलियां तवे से जल जाती थीं।

प्रश्न 51 (मध्यम). अमीना का क्रोध स्नेह में कब और क्यों बदला?
उत्तर – जब हामिद ने बताया कि उसने चिमटा उसकी उंगलियां जलने से बचाने के लिए लिया था। यह सुनकर अमीना को हामिद का त्याग और विवेक समझ आया।

प्रश्न 52 (कठिन). लेखक ने 'बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई।' इस कथन से क्या आशय व्यक्त किया है?
उत्तर – इसका मतलब है कि हामिद ने अपनी उम्र से कहीं ज्यादा समझदारी और परिपक्वता (विवेक और त्याग) दिखाई, जैसे कोई बड़ा व्यक्ति करता है। वहीं, अमीना अपने पोते के इस निस्वार्थ प्रेम को देखकर इतनी भावुक हो गई कि वह अपनी सारी उम्र और मर्यादा भूलकर एक छोटी बच्ची की तरह रोने लगी।

» बूढ़े हामिद और बालिका अमीना: भावनाओं का आदान-प्रदान

प्रश्न 53 (आसान). कहानी के अंत में हामिद को देखकर अमीना को गुस्सा क्यों आया था?
उत्तर – उसे गुस्सा आया क्योंकि हामिद ने मेले में कुछ खाया-पिया नहीं, बल्कि तीन पैसे का चिमटा खरीद लिया था।

प्रश्न 54 (आसान). अमीना के आँसू खुशी के थे या दुख के, और क्यों?
उत्तर – उसके आँसू खुशी और गर्व के थे, क्योंकि हामिद ने अपनी दादी के लिए इतना बड़ा त्याग और समझदारी दिखाई थी।

प्रश्न 55 (मध्यम). 'बूढ़े हामिद' से लेखक का क्या आशय है? दो वाक्य में स्पष्ट करें।
उत्तर – बूढ़े हामिद से लेखक का आशय है कि हामिद ने अपनी छोटी उम्र के बावजूद एक परिपक्व और समझदार व्यक्ति की तरह व्यवहार किया। उसने अपनी छोटी-छोटी खुशियों का त्याग कर दादी की जरूरत को प्राथमिकता दी, जो बड़ों की सोच होती है।

प्रश्न 56 (कठिन). अमीना का 'बालिका अमीना' बन जाना कहानी के किस महत्वपूर्ण संदेश को उजागर करता है? विस्तार से समझाएं।
उत्तर – अमीना का 'बालिका अमीना' बन जाना यह उजागर करता है कि प्रेम और निस्वार्थ त्याग की भावना किसी भी उम्र के व्यक्ति को भीतर से कोमल और भावुक बना सकती है। हामिद की समझदारी ने अमीना के हृदय को छू लिया, और उसकी सारी शिकायतें, गुस्सा और जीवन की कठोरता पिघल गई, जैसे एक बच्ची मासूमियत से रोती है। यह दर्शाता है कि सच्चा प्रेम और भावनात्मक गहराई उम्र की सीमाओं से परे होती है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. प्रेमचंद जी का मूल नाम क्या था और उन्होंने किस भाषा में लिखना शुरू किया था?

› पहला कदम: हमें याद करना होगा कि उनके बचपन का नाम क्या था।

› दूसरा कदम: फिर सोचना होगा कि उन्होंने शुरुआत में कौन सी भाषा इस्तेमाल की थी, हिंदी या कोई और?

› तीसरा कदम: हमने पढ़ा कि 'उनका मूल नाम धनपत राय था' और 'प्रेमचंद ने अपने लेखन की शुरुआत पहले उर्दू में नवाबराय के नाम से की'।

› तो हमें दोनों सवालों के जवाब मिल जाते हैं।

उत्तर – प्रेमचंद जी का मूल नाम धनपत राय था और उन्होंने अपनी लेखन यात्रा की शुरुआत उर्दू भाषा में की थी।

उदाहरण 2. प्रेमचंद की दो प्रमुख साहित्यिक विशेषताओं और दो प्रमुख कृतियों के नाम बताइए।

› पहले विशेषताओं के बारे में सोचेंगे। हमने पढ़ा कि वो समाज की असलियत दिखाते थे और उसकी भलाई के लिए लिखते थे।

› तो पहली विशेषता हुई 'यथार्थवाद' (जैसा है, वैसा दिखाना)।

› दूसरी विशेषता 'सामाजिक सरोकार' (समाज की समस्याओं, जैसे किसान या नारियों के दुख, को दिखाना)।

› अब कृतियों के नाम पर आते हैं। कहानियों में हमने 'मानसरोवर' का नाम सुना था।

› उपन्यासों में 'गोदान' और 'गबन' बहुत प्रसिद्ध हैं।

› तो दो कृतियों के नाम 'मानसरोवर' (कहानी संग्रह) और 'गोदान' (उपन्यास) ले सकते हैं।

उत्तर – प्रेमचंद की दो प्रमुख साहित्यिक विशेषताएँ हैं: यथार्थवाद और सामाजिक सरोकार। उनकी दो प्रमुख कृतियाँ हैं: मानसरोवर (कहानी संग्रह) और गोदान (उपन्यास)।

उदाहरण 3. हामिद ने मेले में अपनी कौन सी 'चाह' (इच्छा) पर 'संयम' रखा और क्यों?

› पहला कदम: कहानी में हामिद मेले में क्या-क्या देखता है और क्या चाहता है? वह खिलौने, मिठाइयाँ और झूले देखता है, और उसकी भी इच्छा होती है कि वो इन सब का आनंद ले।

› दूसरा कदम: हामिद उन चीज़ों पर पैसा क्यों नहीं खर्च करता? वह अपने पास के थोड़े से पैसों को अपनी दादी अमीना के लिए एक काम की चीज़ खरीदने के लिए बचाता है।

› तीसरा कदम: उसकी इस बचत का क्या परिणाम होता है? वह अपने लिए कुछ भी न खरीदकर, अपनी दादी के लिए 'चिमटा' खरीदता है ताकि उनके हाथ रोटी बनाते हुए न जलें। यही उसका 'संयम' है।

› चौथा कदम: इस उदाहरण से क्या सीख मिलती है? यह दिखाता है कि कैसे 'अभाव' के कारण हामिद ने अपनी छोटी उम्र में ही अपनी ज़रूरतों से पहले दूसरों की ज़रूरतों और 'श्रम' के महत्व को समझा।

उत्तर – हामिद ने मेले में खिलौने और मिठाइयों पर पैसे खर्च करने की अपनी 'चाह' पर 'संयम' रखा। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह जानता था कि उसके पास कम पैसे हैं और उसे अपनी दादी अमीना के लिए कुछ काम की चीज़ खरीदनी है ताकि उनके हाथ रोटी बनाते हुए न जलें।

उदाहरण 4. प्रेमचंद जी ने ईद के प्रभात और गाँव के उत्साह का वर्णन किन विशेषणों और दृश्यों के माध्यम से किया है?

› पहले प्रभात (सुबह) के वर्णन पर ध्यान दें। लेखक ने 'कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है' जैसे विशेषणों का प्रयोग किया है। साथ ही, उन्होंने 'वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली है, खेतों में कुछ अजीब रौनक है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है' जैसे दृश्य भी दिए हैं।

› फिर गाँव की हलचल और तैयारियों पर गौर करें। 'गाँव में कितनी हलचल है', 'ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं' जैसी पंक्तियाँ बताती हैं।

› बच्चों के उत्साह को देखें। 'लड़के सबसे ज़्यादा प्रसन्न हैं', 'इन्हें गृहस्थी की चिंताओं से क्या प्रयोजन' और उनके द्वारा जेब में 'कुबेर का धन भरा हुआ' मानने की बात उनके उत्साह को दर्शाती है।

उत्तर – प्रेमचंद जी ने ईद के प्रभात को 'मनोहर' और 'सुहावना' बताया है। उन्होंने 'वृक्षों पर अजीब हरियाली', 'खेतों में अजीब रौनक' और 'आसमान पर अजीब लालिमा' जैसे दृश्यों से सुबह की सुंदरता को जीवंत किया है। गाँव के उत्साह को दर्शाने के लिए 'हलचल', 'ईदगाह जाने की तैयारियाँ', 'कुर्ते में बटन न होना', 'जूतों में तेल डलवाना', 'बैलों को सानी-पानी देना' जैसे क्रियाकलापों का वर्णन किया है। बच्चों के अपार उत्साह को उनकी 'प्रसन्नता', 'जल्दी ईदगाह जाने की बेचैनी' और 'अपनी जेबों में कुबेर का धन' मानने के भावों से व्यक्त किया गया है।

उदाहरण 5. हामिद और अन्य बच्चे ईद के त्योहार को किस नज़रिए से देखते हैं? कहानी के आधार पर बताइए।

› पहले यह देखेंगे कि बच्चे कितने 'प्रसन्न' हैं और क्यों - क्योंकि उनके लिए ये रोज़ों वाला त्योहार नहीं, बस खुशी वाला दिन है।

› फिर यह समझाएँगे कि उन्हें 'गृहस्थी की चिंताओं से क्या प्रयोजन!' मतलब उन्हें घर की मुश्किलों की फ़िक्र नहीं है।

› इसके बाद उनकी 'जेबों में तो कुबेर का धन भरा हुआ है' वाली बात पर ज़ोर देंगे, जहाँ थोड़े से पैसे भी उन्हें बहुत लगते हैं।

› अंतिम में बताएंगे कि हामिद की विशेष प्रसन्नता और आशावाद को कैसे दिखाया गया है, भले ही वह गरीब है।

उत्तर – हामिद और अन्य बच्चे ईद को असीमित खुशी, उत्साह और कल्पना के नज़रिए से देखते हैं। उन्हें घर-गृहस्थी की कोई चिंता नहीं होती। वे अपनी जेबों में रखे थोड़े से पैसों को 'कुबेर का धन' मानते हैं और उनसे मेले में 'अनगिनती चीजें' खरीदने के सपने देखते हैं। हामिद तो गरीबी के बावजूद भी सबसे ज़्यादा खुश और आशावान है, क्योंकि 'उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा' है।

उदाहरण 6. अमीना के लिए ईद का दिन खुशी का नहीं, बल्कि 'अंधकार और निराशा' का दिन क्यों था?

› सबसे पहले हमें देखना होगा कि ईद के दिन अमीना की आर्थिक स्थिति कैसी थी। 'ईद का दिन और उसके घर में दाना नहीं!'

› फिर यह देखें कि उसके मन में क्या भावनाएं थीं। 'इस अंधकार और निराशा में वह डूबी जा रही है।'

› इसके साथ ही, हामिद को अकेले मेले भेजने की उसकी दुविधा को भी समझना होगा। 'गाँव के बच्चे अपने-अपने बाप के साथ जा रहे हैं। हामिद का बाप अमीना के सिवा और कौन है!'

› यह भी सोचें कि इतनी गरीबी और अकेलेपन में वह त्योहार कैसे मनाएगी। 'सिर्फ दो आने पैसे बच रहे हैं।'

› इन सब बातों को मिलाकर हम कह सकते हैं कि घर में दाना न होने, हामिद के पिता न होने, अकेले हामिद को मेले भेजने की चिंता और पैसों की कमी के कारण ईद का दिन अमीना के लिए खुशी का नहीं था।

उत्तर – अमीना के लिए ईद का दिन 'अंधकार और निराशा' का इसलिए था क्योंकि ईद के दिन भी उसके घर में खाने को 'दाना नहीं' था, हामिद के पिता नहीं थे, और उसे छोटे हामिद को अकेले मेले भेजने की बहुत चिंता थी, जबकि उसके पास कुल 'दो आने' पैसे ही बचे थे।

उदाहरण 7. कहानी में बच्चों ने शहर की कौन-कौन सी चीज़ें देखीं और उनके बारे में उनके क्या विचार थे?

› पहला कदम: कहानी में ढूंढो कि बच्चे गाँव से शहर जाते हुए क्या-क्या देख रहे हैं।

› दूसरा कदम: देखो कि वे किन-किन इमारतों या दुकानों का ज़िक्र कर रहे हैं, जैसे 'अदालत', 'कॉलेज', 'क्लब-घर', 'हलवाइयों की दूकानें'।

› तीसरा कदम: अब सोचो कि इन चीज़ों को देखकर उनके मन में क्या सवाल या बातें आ रही थीं। उदाहरण के लिए, कॉलेज के लड़कों को देखकर उन्हें लगा कि 'बड़े-बड़े आदमी हैं' जो अभी भी पढ़ रहे हैं। क्लब-घर में उन्हें 'जादू' होने का वहम था। हलवाइयों की दुकानों की मिठाई देखकर 'जिन्नात' की बातें याद आईं।

उत्तर – बच्चों ने शहर में 'अदालत', 'कालेज', 'क्लब-घर' और 'हलवाइयों की दूकानें' देखीं। कॉलेज के लड़कों को देखकर उन्हें लगा कि ये 'बड़े-बड़े आदमी हैं' जो अभी तक पढ़ रहे हैं। क्लब-घर के बारे में उन्होंने सोचा कि वहाँ 'जादू होता है' और शाम को 'साहब लोग' और 'मेमें भी खेलती हैं'। हलवाइयों की दुकानों पर सजी मिठाइयों को देखकर उन्हें 'जिन्नात' की बातें याद आईं, जो रात में आकर मिठाइयाँ खरीद ले जाते हैं।

उदाहरण 8. ईदगाह में नमाज़ के दृश्य में 'भ्रातृत्व' और 'समानता' की भावना कैसे दिखाई गई है?

› पहला, 'लाखों सिर एक साथ सिजदे में झुक जाते हैं' और 'एक साथ खड़े हो जाते हैं' – यह बताता है कि सब लोग एक ही तरीके से इबादत कर रहे हैं, बिना किसी भेदभाव के।

› दूसरा, 'यहाँ कोई धन और पद नहीं देखता। इस्लाम की निगाह में सब बराबर हैं' – इस वाक्य से सीधा पता चलता है कि नमाज़ के दौरान हर व्यक्ति बराबर है, चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।

› तीसरा, 'भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है' – यह साफ दर्शाता है कि सभी लोग भाईचारे के धागे से एक-दूसरे से जुड़े हुए महसूस करते हैं।

उत्तर – ईदगाह में नमाज़ का दृश्य एक साथ लाखों लोगों के झुकने और उठने, तथा धन-पद के भेदभाव को मिटाकर सभी को समान मानने की बात से 'भ्रातृत्व' और 'समानता' की भावना को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

उदाहरण 9. मेले में बच्चे किन तीन चीज़ों की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित होते हैं और हामिद उन पर कैसी प्रतिक्रिया देता है?

› सबसे पहले, बच्चे झूलों (हिंडोला, चरखी) पर मोहित होते हैं। हामिद अपने तीन पैसों की वजह से इसमें शामिल नहीं होता और दूर खड़ा देखता है।

› दूसरा, वे तरह-तरह के खिलौनों (सिपाही, वकील, भिश्ती) की दुकानों पर टूट पड़ते हैं। हामिद खिलौनों की 'मिट्टी के हैं' कहकर निंदा करता है, पर उसकी 'ललचाई हुई आँखों' से पता चलता है कि उसका भी बहुत मन कर रहा है।

› तीसरा, बच्चे मिठाइयों (रेवड़ी, गुलाब-जामुन) पर लपकते हैं। हामिद के दोस्त उसे चिढ़ाते हैं और उसे भी खाने का मन करता है, लेकिन वह अपने पैसे बचाता है।

उत्तर – बच्चे मेले में मुख्य रूप से झूले, खिलौने और मिठाइयों की ओर आकर्षित होते हैं। हामिद इन सभी चीजों से खुद को दूर रखता है, क्योंकि उसके पास केवल तीन पैसे हैं और वह अपनी ज़रूरतों के लिए उन्हें बचाना चाहता है, भले ही उसका मन ललचता हो।

उदाहरण 10. हामिद ने मेले में खिलौने या मिठाई क्यों नहीं खरीदी? उसने चिमटा खरीदने का निर्णय क्यों लिया?

› हामिद ने अपने दोस्तों की तरह अपनी खुशी के लिए मिठाइयाँ या खिलौने खरीदने की बजाय, अपनी दादी की परेशानी के बारे में सोचा।

› उसने याद किया कि उसकी दादी के पास चिमटा नहीं है और रोटियाँ बनाते समय उनके हाथ जल जाते हैं।

› उसने सोचा कि खिलौने तो थोड़ी देर की खुशी देते हैं और फिर बेकार हो जाते हैं, जबकि चिमटा घर के काम की एक उपयोगी चीज़ है जो दादी के हाथों को जलने से बचाएगा।

› हामिद ने यह भी सोचा कि उसकी दादी बूढ़ी हैं, उनके पास बाजार जाने का समय और पैसे नहीं हैं, इसलिए उसे ही उनके लिए चिमटा खरीदना चाहिए।

› इस तरह, उसने अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं पर दादी की ज़रूरत और सुरक्षा को प्राथमिकता दी, जो उसकी दूरदर्शिता और प्रेम को दर्शाता है।

उत्तर – हामिद ने खिलौने या मिठाई इसलिए नहीं खरीदी क्योंकि उसने अपनी दादी की ज़रूरत और उनके हाथों को जलने से बचाने को अपनी क्षणिक खुशियों से ज़्यादा महत्व दिया। उसने चिमटे को एक स्थायी और उपयोगी वस्तु के रूप में देखा, जो दादी को खुशी देगी और उनके काम आएगा।

उदाहरण 11. हामिद अपने चिमटे को 'रुस्तम-ए-हिंद' क्यों कहता है? यह उसके दोस्तों के खिलौनों से कैसे बेहतर है?

› पहला कदम है समझना कि 'रुस्तम-ए-हिंद' एक मुहावरा है जिसका मतलब है 'भारत का सबसे बहादुर पहलवान या योद्धा'। हामिद चिमटे को ये नाम देता है उसकी मज़बूती और बहु-उपयोगिता के कारण।

› दूसरा कदम है हामिद के तर्कों को याद करना। वह कहता है, 'मेरा बहादुर शेर है µ चिमटा।' मतलब, वो इसे एक बहादुर शेर के बराबर बताता है।

› तीसरा कदम है चिमटे की उपयोगिता को खिलौनों से तुलना करना। हामिद बताता है कि उसका चिमटा 'आग में, पानी में, आँधी में, तूप्ाफान में बराबर डटा खड़ा रहेगा', जबकि मिट्टी के खिलौने 'शरा-सा पानी लग जाए तो खतम हो जाए' यानी टूट जाएँगे या गल जाएँगे।

› चौथा कदम है चिमटे के अलग-अलग रूप बताना। हामिद कहता है कि चिमटा 'बंदूक हो गई', 'पफकीरों का चिमटा हो गया', और इससे 'मजीरे का काम' भी लिया जा सकता है। ये सभी गुण खिलौनों में नहीं होते।

उत्तर – हामिद चिमटे को 'रुस्तम-ए-हिंद' कहता है क्योंकि वह उसे एक बहादुर योद्धा की तरह मज़बूत और बहुउपयोगी मानता है। यह मिट्टी के क्षणभंगुर खिलौनों से बेहतर है क्योंकि यह हर मौसम और परिस्थिति में टिका रहता है, टूटता नहीं, और कई तरह से इस्तेमाल हो सकता है जैसे बंदूक, मजीरा या फकीरों का चिमटा।

उदाहरण 12. मोहसिन, नूरे और महमूद के खिलौनों के अंत और हामिद के चिमटे की जीत के पीछे की मूल भावना क्या है?

› मोहसिन का भिश्ती: 'दौड़कर भिश्ती उसवेफ हाथ से छीन लिया और मारे खुशी वेफ जो उछली, तो मियाँ भिश्ती नीचे आ रहे और सुरलोक सिधरे।' मतलब, खुशी-खुशी में ही भिश्ती नीचे गिरा और टूट गया। यह दिखाता है कि मिट्टी के खिलौने कितने 'कमजोर' होते हैं.

› नूरे का वकील: 'मालूम नहीं, पंखे की हवा से, या पंखे की चोट से वकील साहब स्वर्गलोक से मृत्युलोक में आ रहे और उनका माटी का चोला माटी में मिल गया।' वकील साहब को सम्मान देने के लिए पटरे पर बिठाया, पंखा झला, पर पंखे की हवा या चोट से ही वे 'टूट' गए.

› महमूद का सिपाही: 'टोकरी उसवेफ हाथ से छूटकर गिर पड़ती है और मियाँ सिपाही अपनी बंदूक लिए शमीन पर आ जाते हैं और उनकी एक टाँग में विकार आ जाता है।' सिपाही को पालकी में बिठाकर पहरा दिलवा रहे थे, पर ठोकर लगी और सिपाही की 'टाँग टूट' गई. अंत में वह 'संन्यासी' बनकर बैठा रह गया.

› हामिद का चिमटा: अमीना ने पूछा, 'यह चिमटा कहाँ था?' हामिद ने कहा, 'तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, इसलिए मैंने उसे लिया।' दादी का गुस्सा तुरंत 'स्नेह में बदल' गया, क्योंकि चिमटा सिर्फ एक खिलौना नहीं, 'उपयोगी वस्तु' था.

› निष्कर्ष: कहानी इन घटनाओं से यह बताना चाहती है कि दिखावे वाली और क्षणभंगुर चीजों की अपेक्षा, 'उपयोगी और टिकाऊ' वस्तु का 'वास्तविक मूल्य' अधिक होता है। हामिद का चिमटा अपनी 'उपयोगिता' के कारण 'जीत' जाता है, जबकि दूसरों के मिट्टी के खिलौने 'टूटकर' अपनी 'क्षणभंगुरता' साबित करते हैं।

उत्तर – इस कहानी की मूल भावना यह है कि दिखावे, चमक-दमक और क्षणभंगुर मनोरंजन से ज़्यादा महत्वपूर्ण 'उपयोगिता', 'मज़बूती' और 'त्याग' होता है। हामिद का चिमटा दादी के काम आकर यह 'जीत' जाता है कि वह सिर्फ एक वस्तु नहीं, बल्कि 'प्रेम और विवेक' का प्रतीक है।

उदाहरण 13. हामिद ने चिमटा खरीदने के लिए कौन-कौन सी चीज़ों का त्याग किया? अमीना पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?

› पहला, हामिद ने अपनी खुद की 'खुशी' का त्याग किया, क्योंकि वह 'मिठाई' नहीं खा पाया और 'खिलौने' नहीं खरीद पाया, जबकि उसके दोस्त खरीद रहे थे।

› दूसरा, उसने अपनी 'बचपन की इच्छा' को किनारे रख दिया, जहां बच्चे आमतौर पर आकर्षक चीजों की ओर खिंचे चले जाते हैं।

› तीसरा, उसने 'तीन पैसे' अपनी दादी की भलाई के लिए खर्च किए, जबकि वह खुद के लिए कुछ भी ले सकता था।

› इन त्यागों को देखकर, अमीना का प्रारंभिक 'क्रोध' तुरंत 'गहरे स्नेह' में बदल गया।

› वह 'गद्गद' हो गई, मतलब बहुत भावुक हो गई और 'आँसू' बहाते हुए हामिद को दुआएं देने लगी, क्योंकि उसे हामिद का 'विवेक', 'सद्भाव' और 'त्याग' समझ आ गया था।

उत्तर – हामिद ने मिठाई और खिलौने खरीदने की अपनी इच्छा और अपने बचपन की चाहत का त्याग किया। इस त्याग को देखकर अमीना का गुस्सा प्यार में बदल गया, वह भावुक हो उठी और हामिद को दुआएँ देने लगी।

उदाहरण 14. 'बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

› सबसे पहले, हम 'बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था' इस पंक्ति का विश्लेषण करेंगे। यहाँ 'बूढ़ा हामिद' का अर्थ है, वह बच्चा जिसने अपनी उम्र से कहीं ज्यादा 'समझदारी, जिम्मेदारी और त्याग' दिखाया। उसने मेले में अपनी पसंदीदा चीजों को छोड़कर दादी के जलते हाथों की चिंता की और चिमटा खरीदा, जो एक बच्चे के लिए सामान्य बात नहीं है। यह उसकी 'परिपक्व सोच' को दर्शाता है।

› इसके बाद, हम 'बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई' वाली पंक्ति पर आएंगे। 'बालिका अमीना' का अर्थ है, वह बूढ़ी दादी जो हामिद के इस त्याग और प्रेम को देखकर अपनी सारी 'कठोरता और गुस्सा' भूलकर, एक छोटी बच्ची की तरह 'भावुक और कोमल' हो जाती है। उसका मन ममता और गर्व से भर जाता है, और वह आँसू बहाती हुई हामिद को दुआएं देने लगती है, जैसे एक अबोध बालिका रोती है।

› अंत में, हम दोनों पंक्तियों को जोड़कर निष्कर्ष निकालेंगे। यह कथन 'पीढ़ियों के बीच प्रेम और त्याग के गहरे भावनात्मक आदान-प्रदान' को दर्शाता है। हामिद का बचपन बड़ों की समझदारी से युक्त हो जाता है, और अमीना का बुढ़ापा बच्चे की मासूमियत और भावुकता से भर जाता है। यह मानवीय भावनाओं की गहरी समझ और कहानी का मार्मिक संदेश

प्रस्तुत करता है।

उत्तर – यह कथन दर्शाता है कि हामिद ने अपनी बालसुलभ इच्छाओं का त्याग कर एक समझदार वृद्ध की भांति अपनी दादी की जरूरतों का ध्यान रखा, जबकि अमीना उसके इस त्याग और प्रेम को देखकर अपनी सारी कठोरता भूलकर, एक मासूम बालिका की तरह भावुक होकर रो पड़ी। यह मानवीय संबंधों की गहराई और भावनाओं के आदान-प्रदान का मार्मिक चित्रण है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• प्रेमचंद जी का जीवन परिचय और उनकी कृतियाँ बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों के नाम और विषयवस्तु अच्छे से याद कर लेना।

• प्रेमचंद की साहित्यिक विशेषताएँ और उनकी प्रमुख कृतियाँ, विशेषकर उपन्यासों के नाम, बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• बोर्ड परीक्षा में 'ईदगाह' कहानी से अक्सर हामिद के चरित्र-चित्रण या कहानी के केंद्रीय विचार पर प्रश्न पूछे जाते हैं। चिमटे के माध्यम से श्रम के महत्व को समझाना एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

• ईद के प्रभात और गाँव के उत्साह का वर्णन करते समय लेखक के शब्दों और बच्चों की कल्पनाओं पर विशेष ध्यान दें, यह बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

• बोर्ड परीक्षा में इस भाग से 'ईदगाह के नमाज़ दृश्य की विशेषताएँ' या 'इस्लाम में भ्रातृत्व का महत्व' जैसे प्रश्न आ सकते हैं। वर्णन करते समय 'समानता', 'एकता' और 'भाईचारा' जैसे शब्दों का प्रयोग ज़रूर करें।

• इस पाठ में हामिद के तर्कों को याद रखना बहुत ज़रूरी है। परीक्षा में अक्सर इन तर्कों को उद्धृत करते हुए हामिद की समझदारी पर आधारित प्रश्न आते हैं।

• इस खंड से 'हामिद के चिमटे' के महत्व और 'मिट्टी के खिलौनों' की क्षणभंगुरता पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं। इनके माध्यम से कहानी का 'संदेश' स्पष्ट करना ज़रूरी है।

एक नज़र में रिवीज़न

› प्रेमचंद: धनपत राय, लमही, सरकारी नौकरी त्यागकर लेखन, समाज सुधारक लेखक।

› प्रेमचंद: यथार्थवादी, सामाजिक सरोकार, सरल भाषा, मानसरोवर, गोदान।

› ईदगाह: ग्रामीण मुस्लिम जीवन, हामिद की समझदारी, श्रम का महत्व।

› ईद का मनोहर प्रभात; गाँव की हलचल; बच्चों का अपार उत्साह व कल्पनाएँ।

› ईदगाह नमाज़: समानता व भ्रातृत्व का अद्वितीय प्रदर्शन, लाखों सिर एक साथ।

› हामिद ने चिमटे की उपयोगिता 'बहादुर शेर' बताकर, 'मिट्टी' के खिलौनों पर 'लोहे' की जीत।

› खिलौने टूटे, चिमटा उपयोगी रहा - उपयोगिता की जीत।